University in News on 19 May 2025

i-NEXT PAGE 6

फॉरेन लैंग्वेज में है इंटरेस्ट तो ये कोर्स रहेंगे बेस्ट ऑप्शन

फ्रेंच लैंग्वेज में सर्टिफिकेट, प्रोफिशिएंसी के साथ डिप्लोमा कोर्स भी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (18 May): लखनऊ यूनिवर्सिटी में यूजी और पीजी कोर्सेज में एडमिशन प्रोसेस चल रही है. इसी के साथ सर्टिफिकेट एंड डिप्लोमा कोर्सेज में भी एडमिशन शुरू हो गए हैं. इसके साथ ही फॉरेन लैंग्वेज डिप्लोमा एंड सर्टिफिकेट कोर्सेज भी आजकल काफी ट्रेंड में है. सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स फ्रेंच लैंग्वेज के कोर्सेज में इंटरेस्ट लेते हैं, जिसकी वजह से यहां सीट्स भी काफी है.

एलयू में फॉरेन लैंग्वेज के लिए हैं ढेर सारे ऑप्शन

18 जुलाई से रिफ्रेशर कोर्स

इंग्लिश डिपार्टमेंट के हेड प्रो. ओंकार नाथ उपाध्याय ने बताया कि डिपार्टमेंट में 18 जुलाई से 31 जुलाई तक एक रिफ्रेशर कोर्स भाषा लिटरेचर इन इंग्लिश ट्रांसलेशन विषय पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें संपूर्ण भारत की भारतीय भाषाओं, लुप्तप्राय भाषाओं के पुनरूद्धार एवं उनके सांस्कृतिक स्वरूप को प्रस्तुत करने का प्रयास होगा. इस दिशा में हर प्रदेश के भाषाविदों एवं आचार्यों के सहयोग से भारतीय भाषाओं में सांस्कृतिक एकता एवं अखंडता को प्रतिपादित किया जाएगा.

सर्टिफिकेट, एडवांस डिप्लोमा और डिप्लोमा कोर्स

एलयू के डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश एंड मॉडर्न यूरोपियन लैंग्वेजेस में फ्रेंच लैंग्वेज में प्रोफिशिएंसी, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट, इन तीन लेवल के कोर्सेज है.

मिशन एडमिशन

रेगुलर कोर्सेज में भी फ्रेंच

लखनऊ यूनिवर्सिटी के इंग्लिश डिपार्टमेंट के अंतर्गत रेगुलर बीए कोर्स में भी फ्रेंच एज ए सब्जेक्ट पढ़ाया जा रहा है. वही, फ्रेंच में एमए में कुल 10 सीटें मौजूद है. इसके साथ ही स्टूडेंट फ्रेंच में पीएचडी भी कर सकते है.

1 प्रोफिशिएंसी इन फ्रेंच

रेगुलर- ये एक साल का सर्टिफिकेट कोर्स है, जो 1 साल का है और इसमें 2 सेमेस्टर है. इस कोर्स में कुल 40 सीटें है. इसमें एलयू या इससे एफिलिएटेड कॉलेजेस के स्टूडेंट्स एडमिशन ले सकते है. इस कोर्स में पहले सेमेस्टर की फीस 10500 रुपये और दूसरे सेमेस्टर की फीस 6500 रुपए है. प्रोफिशिएंसी इन फ्रेंच का एक सेल्फ फाइनेंस कोर्स भी है, जिसमें कुल 80 सीटें है. ये भी 1 साल का कोर्स है और इसमें 12वी पास कोई भी कैडिडेट इसमें एडमिशन ले सकता है.

2 एडवांस डिप्लोमा इन फ्रेंच

इसमें दो कोर्स अवेलेबल है, एक रेगुलर और एक सेल्फ फाइनेंस. रेगुलर में कुल 10 सीटें है, यह 1 साल का कोर्स है और इसमें एडमिशन लेने के लिए कैडिडेट का एलयू पीजी कोर्स का रेगुलर स्टूडेंट और फ्रेंच में डिप्लोमा होना जरूरी है. वही, एडवांस डिप्लोमा में सेल्फ फाइनेंस कोर्स में भी 10 सीटें अवेलेबल है, जिसमें किसी भी रिकगाइज्ड बोर्ड से 12वी पास कैडिडेट एडमिशन ले सकता है.

3 डिप्लोमा इन फ्रेंच

प्रोफिशिएंसी इन फ्रेंच के डिप्लोमा कोर्स के रेगुलर कोर्स में कुल 20 सीटें है, जिसमें एडमिशन के लिए कैडिडेट का एलयू पीजी स्टूडेंट और फ्रेंच में सर्टिफिकेट कोर्स होना जरूरी है. वही, सेल्फ फाइनेंस कोर्स में कुल 20 सीटें हैं. इसमें 12वी पास कोई भी कैडिडेट एडमिशन ले सकता है.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

विदेशी फीस से हासिल बजट का 10% हिस्सा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विदेशी विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने का असर संस्था की आर्थिक सेहत पर भी पड़ रहा है। अनुदान फ्रीज होने की वजह से लविवि को हर साल सरकार से सिर्फ 34 करोड़ रुपये ही मिल रहे हैं। वहीं विदेशी छात्रों से ही विश्वविद्यालय को हर साल तीन करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि फीस के रूप में मिल रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पिछले कई साल से विदेशी विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस समय यहां तीन सौ से ज्यादा विदेशी विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। लविवि में स्नातक के परंपरागत पाठ्यक्रमों के लिए विदेशी विद्यार्थियों से एक हजार डॉलर, परास्नातक के लिए 1500 डॉलर, पीएचडी के लिए 2500 डॉलर और बीटेक और अन्य प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के लिए 2500 रुपये डॉलर फीस ली जा रही है। हर साल यह रकम तीन करोड़ रुपये से ज्यादा की बन रही है। तरह से प्रदेश सरकार से मिले बजट से 10 फीसदी के बराबर राशि सिर्फ विदेशी विद्यार्थियों से ही मिल रही है।

लविवि : विदेशी विद्यार्थियों से हर साल मिलते हैं साढ़े तीन करोड़ रुपये

परीक्षा फीस है आय का सबसे बड़ा स्रोत

लविवि के पास इस समय लखनऊ के साथ ही रायबरेली, हरदोई, लखीमपुर खीरी और सीतापुर जनपद के कॉलेज संबद्ध हैं। इन कॉलेजों से मिलने वाली परीक्षा ही आय का सबसे बड़ा स्रोत है। लविवि इस समय सबसे ज्यादा परीक्षा फीस लेने वाला राज्य विश्वविद्यालय है।

NBT PAGE 8

LU में अब तक 76 देशों के 2379 छात्रों ने किया आवेदन

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में दुनिया के एक तिहाई से भी ज्यादा देशों के छात्र अब पढ़ाई करेंगे। इस साल विभिन्न पाठ्यक्रमों में 76 देशों के 2379 अभ्यर्थियों ने एलयू में दाखिले के लिए आवेदन किया है। खास बात यह भी है कि यह अब तक एक साल में आने वाले आवेदनों की सबसे ज्यादा संख्या है। ऐसे में एलयू ने अपना ही रेकॉर्ड तोड़ दिया है।

अभी डेढ़ महीने तक आवेदन कर सकेंगे विदेशी छात्र

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) के माध्यम से 2153 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जबकि स्टडी इन इंडिया और EDCIL कार्यक्रमों के तहत 176 आवेदन और 50 अभ्यर्थियों ने सीधे एलयू में आवेदन किया है। अभी डेढ़ महीने तक विदेशी छात्रों के आवेदन लिए जाएंगे। एलयू में पिछले साल कुल 1769 आवेदन आए थे। जबकि 2023-2024 सत्र में 1365, 2022-2023 में 814 और 2021-2022 में 637 छात्रों ने आवेदन किया था। उम्मीद है कि इस बार विदेशी छात्रों के आवेदन की संख्या तीन हजार का आंकड़ा पार कर जाएगी।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि हमने अपने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के ढांचे में वैश्विक शिक्षा प्रदान करने की प्रणाली विकसित की है। विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय छात्रावासों में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग विशेष प्रबंध किए हैं। आरामदायक आवास सुनिश्चित करने के साथ-साथ, हमारा फोकस शिक्षार्थी के समग्र विकास में निहित है। यही वजह है कि विश्व भर से विदेशी छात्र एलयू में दाखिला लेने के लिए आ रहे हैं।

इन देशों के छात्रों ने किए आवेदन

विश्वविद्यालय में जिन 76 देशों से आवेदन प्राप्त हुए हैं, उसमें पोलैंड, फ्रांस, स्पेन, वेलारूस, रूस, सिएरा लियोन, अंगोला, वोत्सवाना, थाईलैंड, कंबोडिया, चाड, मिस्र, इथोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, कजाकिस्तान, इराक, केन्या, लाओस, दक्षिण आफ्रीका समेत अन्य देश शामिल हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : परीक्षा कार्यक्रम बदला

लखनऊ विश्वविद्यालय ने तीन पाठ्यक्रमों की सम सेमेस्टर परीक्षाओं के परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया है। अब एम .एससी रिन्यूएबल एनर्जी दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 27 मई से चार जून और इसके चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं छह से 14 जून तक होंगी। इसी तरह पीजी डिप्लोमा इन गर्भ संस्कार दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं अब 29 मई से तीन जून तक और ओरिएंटल डिप्लोमा (अरेबिक एंड पर्शियन) की परीक्षाएं 26 मई से तीन जून तक आयोजित की जाएंगी। संशोधित परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड कर दिया गया है।

THE PIONEER PAGE 3

LU receives record applications from foreign students

PIONEER NEWS SERVICE ■ Lucknow

Lucknow University has received 2,379 applications from foreign students, a record, for admission to various courses in the current academic session. The university has received 2,153 applications via the Indian Council for Cultural Relations, up to 176 applications under the Study in India and EDCIL programmes, and 50 under direct admission. The process of receiving applications will continue till the end of June.

The university received 1,769 applications in the academic year 2024-25, 1,365 in the academic session 2023-2024, 814 in the academic year 2022-2023 and 637 in the academic session 2021-2022. This shows a gradual increase in admission numbers at Lucknow University across various programmes.

Applications have been received from approximately 76 countries across the globe such as Poland, France, Spain, Belrus, Russia, Sierra Leone, Angola, Botswana, Thailand Cambodia, Chad, Egypt, Ethiopia,, Indonesia, Iran, Kazakhstan, Iraq, Kenya, Laos, Lesotho, Madagascar, Nepal, Nigeria,, South Africa, Sri Lanka, Sudan, Tajikistan, Tanzania, Bangladesh, Vietnam, Mexico and Ukraine.

The students have expressed their interests in the courses of almost every faculty, including professional programmes – MBA, engineering, pharmacy and PhD.

LU Vice Chancellor Prof Alok Kumar Rai said "we have developed our mechanism to impart global education in the framework of our National Education Policy. During the last five years we have transformed our educational ecosystem at par with global institutions, and that is being communicated across global takers."

"The university has made special arrangements for boys and girls in separate international hostels. Besides ensuring a comfortable stay, the focus is on inducting them into an educational system that values a global perspective rooted in holistic development of the learner. We have our strict mechanism of screening the applicants as per the government norms for admitting foreign nationals," he added.

"The Lucknow University gives individual attention to the intellectual, social and professional development of foreign students. They are given guidance and counseling on different issues like adjusting to a multicultural work atmosphere, socio-cultural adjustment and career goals. Language and communication issues are also addressed through different regular and specially designed workshops," he added.

LOKSATYA PAGE 3

लखनऊ विवि को लगभग 76 देशों से आवेदन मिले

- लखनऊ विश्वविद्यालय ने वैश्विक अकादमिक क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय ने वैश्विक अकादमिक क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिसमें विश्वभर से 2379 छात्रों ने रुचि दिखाई है।

विश्वविद्यालय में इस शैक्षणिक सत्र में 2379 विदेशी छात्रों की अभूतपूर्व रुचि देखी गई है, जो अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। विश्वविद्यालय को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के माध्यम से 2153 आवेदन प्राप्त हुए हैं, स्टडी इन इंडिया और ईडीसीआईएल कार्यक्रमों के तहत 176 तक आवेदन प्राप्त हुए हैं, और 50 छात्रों ने सीधे प्रवेश के अंतर्गत रुचि रखते हैं।

आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया जून के अंत तक जारी रहेगी।विश्वविद्यालय को शैक्षणिक वर्ष 2024–25 में 1769 आवेदन प्राप्त हुए, 2023–2024 सत्र में 1365 आवेदन, और 2022–2023 में 814 आवेदन मिले। 2021–2022 सत्र में आवेदन संख्या 637 थी। यह लखनऊ विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश की संख्या में निरंतर वृद्धि को दर्शाता है।विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय छात्रावासों में छात्र- छात्राओं के लिए अलग-अलग विशेष प्रबंध किए हैं। उन्हें ऐसे शैक्षणिक प्रणाली में सम्मिलित करना है जो वैश्विक दृष्टिकोण को महत्व देती है और शिक्षार्थी के समग्र विकास में निहित है। विदेशी नागरिकों को प्रवेश देने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार एक सख्त स्क्रीनिंग प्रणाली का विश्वविद्यालय पालन कर रहा है।